हरिभूमि
शौर्य भूमि
मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी
जबलपुर, मंगलवार 3 दिसंबर 2024
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

प्राथमिक सहायक शिक्षक निलंबित

मण्डला। अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने तथा विद्यालय में अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्राथमिक शाला सठिया के सहायक शिक्षक रायसिंह मरावी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन काल में इनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहगांव निर्धारित किया गया है। इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता चिरौंजी भांवरे का आकस्मिक निधन

.प्रदेश की कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके जिला अध्यक्ष द्विवेदी गृह ग्राम पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की

मण्डला। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष सहकारी समिति मलारा के पूर्व डायरेक्टर पेटेगांव शक्ति केंद्र के प्रभारी मरार समाज के संगठन मंत्री चिरोंजी लाल भांवरे का 2 दिसंबर को प्रातः हृदय गति रुकने के कारण निधन हो गया वे लंबे समय से भाजपा के सक्रिय सदस्य के रूप में अनेक जिम्मेदारी का कुशलता के साथ निर्वाहन किया। उनके आकस्मिक निधन पर भाजपा की ओर से दिवंगत के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संपर्पित योगदान को याद किया, प्रदेश की कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके, जिला अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी मंडल अध्यक्ष सूर्यकांत जंघेला सहित पार्टी के वरिष्ठ जनों ने उनके गृह ग्राम पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की दिवंगत को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि हमने पार्टी के सच्चे सिपाही की असमय खो दिया। ग्रामीण मंडल के पदाधिकारियों ने उनके पार्थिव शरीर पर भाजपा का ध्वज लगा कर उन्हें अंतिम विदाई दी। मंडला लोकसभा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, पूर्व विधायक शिवराज शाह ने अपने संदेश में कहा कि चिरौंजी भांवरे ग्रामीण मंडल में भाजपा के विस्तार के लिए जो कार्य किया उसे हमेशा याद किया जाएगा उनका निधन पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है।

तीन वार्डों के लिए घोषित किए प्रत्याशी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। सिवनी जनपद के तीन वार्डों के लिए होने जा रहे उप- चुनाव के लिए भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की घोषणा भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक दुबे ने कर दी है। कहा कि तीनों ही वार्डों के लिए सम्बंधित मंडल अध्यक्षों एवं स्थानीय वरिष्ठ जनों से चर्चा करने के पश्चात घोषित प्रत्याशियों को भाजपा अपना समर्थन देने का निर्णय लिया है। भाजपा मीडिया प्रभारी श्रीकांत अग्रवाल ने बताया कि सिवनी जनपद के वार्ड क्रमांक 5, वार्ड क्रमांक 6 एवं वार्ड क्रमांक 9 के लिए चुनाव होने हैं।

30 वर्षीय ने अज्ञात कारणों से खाया जहर

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कान्हीवाड़ा के भटेखारी गांव में अज्ञात कारणों से गांव के उमाशंकर पुत्र जयसिंह पटले (55) ने 30 नवंबर को जहर खा लिया, जिसे गंभीर हालात में रविवार को जिला अस्पताल लाया गया यहां उपचार के दौरान उमाशंकर की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्ट मार्टम के बाद शव स्वजनों को

विकास और उन्नति के लिए निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जायेगी: मंत्री संपतिया उइके

.मंत्री श्रीमती उइके ने 16 करोड़ 5 लाख की लागत के निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

मण्डला। प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उईके ने कहा कि नगरपालिका मण्डला के नागरिकों को आवागमन के लिए 4 करोड़ 98 लाख 41 हजार की लागत से मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना (चतुर्थ चरण) अंतर्गत वार्ड क्रमांक एक से 24 तक बीटी रिव्यूवल कार्य, सीसी रोड निर्माण कार्य एवं आरसीसी नाली निर्माण कार्य किया जाएगा। इससे वार्डवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि वार्डवासियों की विगत दिनों से सीसी रोड निर्माण की मांग की जा रही थी। उनकी मांगों को पूर्ण करते हुए उक्त कार्यों का भूमिपूजन किया जा रहा है। सीसी रोड का निर्माण होने से वार्ड के नागरिकों को बरसात में होने वाले कीचड़ से मुक्ति मिल जाएगी।

मण्डला वासियों के लिए सौभाग्य का दिन

मंत्री संपतिया उइके सोमवार को सरदार पटेल वार्ड में निर्माण कार्यों का भूमिपूजन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर नगरपालिका मण्डला अध्यक्ष विनोद कछवाहा, नगरपालिका उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, तहसीलदार मंडला अजय श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार एवं नागरिकगण मौजूद थे। मंत्री संपतिया उइके ने कहा कि आज नगरपालिका क्षेत्र मण्डला वासियों के लिए सौभाग्य का दिन है। नगरपालिका वासियों के लिए 16 करोड़ 5 लाख की लागत से निर्माण

कार्यों का भूमि पूजन किया गया है। निर्माण कार्यों को लेकर लोगों में अपार उत्साह है। नगरपालिका मंडला में विकास और उन्नति के लिए निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी गई है।

निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने को कहा

उन्होंने कहा कि नगरपालिका मण्डला के सरदार पटेल वार्ड में 2 स्थानों पर आंगनवाड़ी भवन निर्माण 22 लाख 44 हजार रूपए की लागत से किया जाएगा। वार्ड क्रमांक 1 राजेश्वरी वार्ड में 11 लाख 22 हजार और वार्ड क्रमांक 9 सिंहवाहिनी वार्ड में 11 लाख 22 हजार की लागत से आंगनवाड़ी भवन का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने आंगनवाड़ी भवन का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्वक समय सीमा में पूर्ण करने को कहा। जिससे आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य का लाभ वार्डवासियों को मिल सके। उन्होंने आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्यों का लगातार निरीक्षण करने को कहा है। मंत्री ने इसके बाद महाराजपुर में अमृत 2.0 योजना ट्रंच-1 अंतर्गत नगर की जल प्रदाय योजना अंतर्गत 9 करोड़ 92 लाख की लागत से निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

आंगनवाड़ी निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन किया

उन्होंने इसी प्रकार से मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना विकास अंतर्गत महाराजपुर पुलिस थाना से बजरंग चौराहा तक रोड के दोनों तरफ पेवर ब्लॉक कार्य के लिए 35 लाख 50 हजार के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। वार्ड क्रमांक 21 ज्वालाजी वार्ड, वार्ड क्रमांक 23 बूढ़ीमाई वार्ड और वार्ड क्रमांक 24 दादा धनीराम वार्ड में 11 लाख 22 हजार के तीन आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया।

नैनपुर के लिए 1 करोड़ 90 लाख रुपए की राशि आवंटित

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उईके ने मण्डला जिले की बाल विकास परियोजना मण्डला और नैनपुर की 17 आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए 1 करोड़ 90 लाख रुपए की राशि आवंटित की है। उक्त राशि से आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन के लिए निर्माण कार्य किया जायेगा। इससे आंगनवाड़ी केंद्र भव्य और रोचक लगेंगे। मंत्री ने कार्यालय परियोजना कार्यालय मण्डला के अंतर्गत नगर पालिका मण्डला के सिंहवाहिनी वार्ड, राजराजेश्वरी वार्ड, सरदार पटेल वार्ड क्रमांक 1 और 2, दादा धनीराम वार्ड महाराजपुर, ज्वाला वार्ड महाराजपुर और बूढ़ीमाई वार्ड महाराजपुर के आंगनवाड़ी केंद्र के लिए अलग-अलग 11 लाख 22 हजार रुपए की राशि आवंटित की है। नगर पालिका बम्हनी बंजर के वार्ड क्रमांक 3 एवं 4 और वार्ड क्रमांक 13, बम्हनी के लिए भी 33 लाख 66 हजार की राशि स्वीकृत की गई है। मंत्री संपतिया उईके ने इसी प्रकार से नगर पालिका नैनपुर के आंगनवाड़ी केंद्र वार्ड क्रमांक 2, वार्ड क्रमांक 4, वार्ड क्रमांक 7, वार्ड क्रमांक 10, वार्ड क्रमांक 11, वार्ड क्रमांक 14, वार्ड क्रमांक 15 के आंगनवाडियों के लिए अलग-अलग 11 लाख 22 हजार रुपए की राशि आवंटित की है।

सकारात्मक रूप से निराकृत करें सीएम हेल्पलाईन के प्रकरण - सोमेश मिश्रा

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने योजना भवन समय सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक ली। बैठक उन्होंने सीएम हेल्पलाईन में लंबित शिकायतों की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि आगामी एक सप्ताह तक सभी विभाग अपनी लंबित शिकायतों का अधिकतम एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले की रैंकिंग को बेहतर बनाने सभी विभागों का समन्वय आवश्यक है। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह और अरविंद सिंह, सहायक कलेक्टर आकिप खान, डिप्टी कलेक्टर क्षमा सराफ और आशुतोष ठाकुर सहित समस्त एसडीएम तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैगा महिलाओं को लाभ पहुंचाने आयोजित करें कैंप

समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने निर्देशित किया कि कार्यलय प्रमुख प्रत्येक प्रकरणों का निर्धारित समय में समुचित निराकरण करें। टीएल प्रकरण अत्यंत महत्वपूर्ण होते है जिन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकृत किया जाना चाहिए। इसी प्रकार उन्होंने कहा कि 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों को गंभीरतापूर्वक निराकृत करें। उन्होंने निर्देशित किया कि नरवाई जलाने वाले नियमानुसार कार्यवाही करें। बैगा आहार अनुदान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शत प्रतिशत पात्र बैगा महिलाओं को लाभान्वित करने के लिए विशेष कैंप आयोजित करें। उच्च न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक प्रकरणों पर निर्धारित समयावधि में जवाब प्रस्तुत करें। उन्होंने शेष अपूर्ण आवासों को चिहिन्त करने के संबंध में चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने उवर्रक भंडारण, भूमि आवंटन, आयुष्मान कार्ड, अंतर्विभागीय बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने की राजस्व महा अभियान की प्रगति की समीक्षा

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अनुविभागवार राजस्व महा अभियान 3.0 प्रगति और राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। समीक्षा में उन्होंने कहा कि बंटवारा, सीमांकन, नामांतरण, नक्शा तरमीम एवं अभिलेख दुरूस्ती आदि के प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निराकरण करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। योजना भवन में सम्पन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह और अरविंद सिंह, सहायक कलेक्टर आकिप खान, डिप्टी कलेक्टर क्षमा सराफ और आशुतोष ठाकुर सहित समस्त एसडीएम तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने तहसीलदार घुघरी के विरूद्ध 7 हजार 250 रूपए की शास्ति अधिरोपित की

मण्डला

कलेक्टर एवं द्वितीय अपीलीय अधिकारी (लोकसेवा) सोमेश मिश्रा ने मप्र लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम 2010 में निहित प्रावधानों के तहत चंद्र कुमार वट्टे तहसीलदार घुघरी पर 7 हजार 250 रूपए की शास्ति अधिरोपित करने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने जारी आदेश में बताया कि इस संबंध में तहसीलदार घुघरी को कारण बताओ सूचना पत्र भी जारी किया गया जिसका प्रतिउत्तर समाधानकारक न होने के कारण अस्वीकृत कर दिया गया। तहसीलदार घुघरी के विरूद्ध मप्र लोक सेवा केन्द्र/एमपी ऑनलाईन/ऑनलाईन ई-केवायसी के माध्यम प्रेषित 29 आवेदन पत्रों का निश्चित समय-सीमा में निराकरण न होने के कारण मप्र लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम 2010 के पैरा 7 (1) (ख) के प्रावधानों के तहत 29 आवेदनों का दो सौ पचास रूपये प्रति दिवस प्रति आवेदन पर एक कार्यदिवस के विलंब के लिए कुल राशि सात हजार दो सौ पचास रूपये मात्र की शास्ति अधिरोपित की गई है।

उपार्जित धान की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम रखें-कलेक्टर

कलेक्टर ने की उपार्जन की समीक्षा

मण्डला

जिले में 2 दिसम्बर से प्रारंभ हुए उपार्जन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि सभी खरीदी केन्द्रो में उपार्जित धान की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम रखें। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों में किसानों के लिए बैठने, पीने के पानी एवं छाया की व्यवस्था अनिवार्यता सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि गुणवत्तापूर्ण फसल की खरीदी करें। इसी प्रकार अनावश्यक फसल का रिजेक्शन भी ना करें। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिये कि फसल का उपार्जन प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात किसानों को भुगतान के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह और अरविंद सिंह, सहायक कलेक्टर आकिप खान, डिप्टी कलेक्टर क्षमा सराफ और आशुतोष ठाकुर सहित समस्त एसडीएम तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस पर सप्ताहिक कार्यक्रम संपन्न

मण्डला। प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय अंजनिया ने बताया कि रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सप्ताहिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साप्ताहिक गतिविधियों के अंतर्गत 27 नवंबर को पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता, 28 नवंबर को रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता, 29 नवंबर को विश्व एड्स जागरूकता रैली महाविद्यालय से बस स्टैंड अंजनिया तक निकाली गई। 30 नवंबर को विश्व एड्स जागरूकता के लिए बाईक रैली पुलिस चौकी अंजनिया से इंद्रा चौक अंजनिया तक निकाली गई। अंतिम दिवस में एक दिसंबर 2024 को प्रभारी प्राचार्य डॉ. नवीन कुमार हरदहा की अध्यक्षता एवं रोहिणी प्रसाद शुक्ल के मुख्य अतिथ्य में कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर जागृति युवा मंच समिति की टीम सदस्यों विकेश ठाकुर, अभिषेक दुबे, किरन सार्थी, ज्ञानलता परिहार, कामनी काण्ड्रा, सुभाष गौंड, भूपेंद्र डोंगरे, माहेश्वरी झरिया एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अंजनिया से अनीता झा द्वारा एच.आई.वी एवं विश्व एड्स विषय पर छात्र-छात्राओं को जानकारी प्रदान की गई। महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में रंगोली प्रतियोगिता में श्रुति श्रीवास प्रथम, नवीनता पटेल द्वितीय, सुयोग पटेल व साथी तृतीय। मेहंदी प्रतियोगिता में महिमा पटेल प्रथम, हर्षिता पटेल द्वितीय, लक्ष्मी कसार तृतीय, पोस्टर प्रतियोगिता में पुष्पांजलि पटेल प्रथम, नवीनता पटेल द्वितीय, अयन पटेल तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन प्रतियोगिता में सौरभ पटेल प्रथम, दुर्गावती साहू द्वितीय, दीक्षा साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संपूर्ण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन में पुलिस चौकी इंचार्ज लखन सिंह राजपूत एवं महाविद्यालय स्टॉफ से डॉ. घनश्याम झरिया, राजकुमार सिंगौर, डॉ. विजय मौर्य, डॉ. प्रशांत कुमार यादव, डॉ. गरिमा छाबड़ा, डॉ. शोभना पटेल, संदीप चौरसिया, संतोष नंदा एवं छात्र-छात्राओं का सहयोग प्राप्त हुआ।

पीसी-पीएनडीटी अधिनियम के संबंध में जागरूकता अभियान/कार्यशाला संपन्न

मण्डला। प्रशासक वन स्टॉप सेंटर सखी मण्डला से प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय रानी अवंतिबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मण्डला में गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम के सम्बन्ध में जागरुकता कार्यशाला महिला एवं बाल विकास एवं पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जनसंपर्क विभाग व उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक मधुलिका उपाध्याय द्वारा छात्राओं एवं उपस्थित प्रतिभागियों को लिंग संवेदनशीलता, भारतीय न्याय संहिता व पीसीपीएनडीटी एक्ट, एसआरबी (लिंगानुपात) एवं कन्या भ्रूण हत्या जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। साथ ही 181 महिला हेल्पलाईन, डायल 100 सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाईन, बेटी बचाओ, बेटी पढाओ एवं शी बॉक्स पोर्टल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य की देखभाल, मासिक धर्म के समय स्वच्छता और विशेष स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में बताया गया एवं हारमोनल परिवर्तन की जानकारी दी गई।

गुड टच बेड टच के बारे में बताया गया

साथ ही युवा अवस्था में छात्राओं को प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन युक्त पोषण एवं पंचरंगी थाली युक्त भोजन का सेवन करने बारे में बताया गया। स्वास्थ्य विभाग से पीसीपीएनडीटी एक्ट के जिला स्तर के नोडल अधिकारी डॉ. डीके मरकाम द्वारा पीसीपीएनडीटी एक्ट तथा कन्या भ्रूण हत्या को रोकना, भारत में लिंग अनुपात में गिरावट जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग अमित अग्रवाल (सहायक ग्रेड-3) द्वारा मण्डला के 3 सोनोग्राफी सेंटर के बारे में बताया गया और अन्य तरीकों से लिंग जांच की तकनीक के बारे में बताया गया। पुलिस विभाग से महिला थाना प्रभारी प्रीती धुर्वे द्वारा छात्राओं को पुलिस विभाग द्वारा दी जाने वाली सहायताओं के विषय में विस्तार से बताया गया एवं छात्राओं को मानव तस्करी से बचाव एवं आत्म सुरक्षा के लिए सूनसान जगह पर मिर्च पाउडर, चाकू, पिन एवं अन्य सामग्री से बचाव के तरीके एवं गुड टच बेड टच के बारे में बताया गया।

तीन नये कानूनों के संबंध में दी जानकारी

साथ ही महिला सुरक्षा डब्ल्यूएसबी मण्डला मधु मरावी द्वारा जिले में चल रहे अपराजिता कार्यक्रम अंतर्गत सक्षम बेटी सक्षम मण्डला कार्यक्रम एवं तीन नये कानूनों के संबंध में जानकारी दी गई। शिक्षा विभाग से शिक्षक प्रवीण कुमार वर्मा द्वारा छात्राओं को उपस्थित विभागों से आवश्यकता अनुसार संपर्क करने के लिए जानकारी दी और छात्राओं को लक्ष्य के प्रति अग्रसर रहने के लिये प्रेरित किया। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर से साक्षी पटवा केसवर्कर, हरिशंकर, आरती बरकडे बहुउद्देशीय कार्यकर्ता स्कूल के प्राचार्य जयलक्ष्मी सोनी, एसजेपीयू मण्डला इदर सिंह यादव, आरक्षक प्रशांत पटेल, पारस तिवारी जनसंपर्क विभाग एवं समस्त छात्रायें उपस्थित रहे।

हाथकरघा एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन 3 से 8 दिसंबर तक होगा

मण्डला। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश शासन कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग भोपाल के सौजन्य से जिला मण्डला में शीतकालीन हाथकरघा एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन आदर्श बुनकर स्वसहायता समूह बबैहा जिला मण्डला में 3 से 8 दिसंबर तक टॉउनहॉल नगरपालिका मण्डला में किया जाएगा। उक्त प्रदर्शनी में प्रदेश व जिले के उत्कृष्ट शिल्प कलाओं का प्रदर्शन सहः विक्रय किया जावेगा। जिससे प्रदेश एवं जिले के शिल्पियों के उत्पादों की मार्केटिंग होगी और उनकी आय में भी वृद्धि होगी। उक्त प्रदर्शनी के आयोजन से प्रदेश के शिल्पी आत्मनिर्भर होंगे। इस प्रदर्शनी में महेश्वर, चंदेरी की डिजाईनर सिल्क साडिय़ां, सौसर एवं वारासिवनी की सिल्क एवं कोसा साडिय़ां बाघ (धार) भैरागढ के प्रिन्टेड ड्रेस मटेरियल, मण्डला की गोंडी पेंटिग साडिय़ां और बांस शिल्प, काष्ठ शिल्प बेलमेटल, माटीशिल्प की कलाकृतियां विक्रय के लिए उपलब्ध रहेगी।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन का निराकरण नहीं करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने श्री विनोद मरावी मुख्य कार्यपालन अधिकारी मण्डला पर पांच हजार रूपए, भागचंद टिमहरिया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मवई और गौरीशंकर डेहरिया मुख्य कार्यपालन अधिकारी नारायणगंज पर पांच-पांच सौ रूपए, शंकरलाल मरावी तहसीलदार निवास, मुकेश पटेल उपवनमंडल अधिकारी, अनंत कुमार पटले कनिष्ठ अभियंता, मीना पटेल मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत बम्हनी, संजय सहलाम जेल अधीक्षक पर पांच-पांच सौ रूपए का जुर्माना अधिरोपित करने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के मुताबिक उक्त अधिकारियों के विरूद्ध यह कार्यवाही सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों में लापरवाही बरतने के कारण किया गया है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने निर्देशित किया था कि सीएम हेल्पलाईन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का समय सीमा में निराकरण करें। इसके बावजूद भी उक्त अधिकारियों के द्वारा सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का निराकरण व अटेंड नहीं किया गया। कलेक्टर ने उक्त अधिकारियों की इस प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए उनके विरूद्ध जुर्माना की कार्यवाही की है।

अब तक किसानों को 43935.876 मैट्रिक टन उर्वरक का हुआ वितरित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। किसानों की सुविधा तथा रबी मौसम में सुगम रूप से जरूरी खाद-बीज की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाऐं की गई है। जिले के सभी क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों के भंडारण करते हुए सुगम वितरण की व्यवस्था की गई है। जिले में समितियों, मार्केटिंग सोसायटी डबल लॉक, एमपी एग्रो के अतिरिक्त निजी विक्रेताओं के माध्यम से किसानों को सुविधाजनक रूप से आवश्यकता अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार 1 अक्टूबर से 02 दिसम्बर 2024 की स्थिति में जिले में कुल 25285. 148 मैट्रिक टन यूरिया, 8150.302 मैट्रिक टन डीएपी, 7673.35 मैट्रिक टन एनपीके, 863.3 मैट्रिक टन एमओपी, 4236.2 मैट्रिक टन एसएसपी का किसानों को सुविधाजनक रूप से वितरित किया गया है।

02 दिसम्बर 24 की स्थिति में जिले में 12261.3 मैट्रिक टन यूरिया, 4485.66 मैट्रिक टन डीएपी, 3254.47 मैट्रिक टन एनपीके, 1498.15 मैट्रिक टन एमओपी, 7889 मैट्रिक टन एसएसपी का भण्डारण उपलब्ध है। जिले के किसी भी क्षेत्र में उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण की कोई भी समस्या नहीं है। जिला प्रशासन द्वारा सतत रूप से उर्वरकों की मांग एवं उपलब्धता मॉनिटरिंग रखते हुए आपूर्ति के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

खबर संक्षेप

फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर कर रहे लोगों की जान से खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज/चीचली। क्षेत्र मे इन दिनो फर्जी डिग्रीधारी, डॉक्टर अनपढ़ लोगो को दवाइयों के नाम पर लूट खसोट करने मे कोई कोर कसर बाकी नही रखते है? जबकि अंचल में पड़ोसी राज्यो के फर्जी डॉक्टरों द्वारा दवाई करने के नाम पर डिस्पेंसरी का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां पड़ोसी राज्यों बंगाल, बिहार, कलकत्ता,उड़ीसा आदि राज्यों सें आकर लोग डॉक्टरी पेशे को कमाई का जरिया बनाये हुए है और जो लोगों को दवाइयां करने के नाम पर ठगने मे कोई कोताही नही बरतते है? इतना ही नही मर्ज कितना भी जटिल क्यो न हो ये डॉक्टर दवाई करने से नही चूकते है, मजेदार बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इनसे दवाई करवाने क्षेत्र से अधिकांशतः अनपढ़ लोग आते है। जिसका फायदा ये चिकित्सक आराम से उठा रहे है,बकायदा अपने डिस्पेंशरी मे साइन बोर्ड लगाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते है, इतना ही नही वोर्ड मे कई देशी व विदेशी संस्थानों से डिग्री पास करने का उल्लेख करते है जबकि हकीकत कुछ और ही है,इनमे अधिकांशतः पांचवी पास भी नही है। लेकिन उपचार के नाम पर लोगों को बेवकूफ बनाने मे माहिर है,इनमे दवा कराने के बाद लोगों को गंभी अवस्था मे चिकित्सालय लाया जाता है जिसमें गरीबों का पैसा और स्वास्थ्य दोनो का नुकसान हो चुका होता है लेकिन स्वास्थ्य विभाग इन पर कार्रवाई करने से परहेज कर रहा है।

आज भी सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव भी बंचित है पक्की सड़क से

हरिभूमि न्यूज/ साईंखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करते हुए उनका भला किया जा रहा है, मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव आज भी पक्की सड़कों से नही जुड पाये है? लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना ने भले ही गॉव गॉव सड़को का जाल विछा दिया हो परन्तु विकासखंड साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले अनेक गॉव आज भी पक्की सड़क की सुविधा से कोशो दूर दिखाइ्र पड़ रहे है, जिसके चलते लोगों को आने जाने के लिए परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्षेत्र के अनेक ग्रामों में पक्की सड़क न होने से वर्षा काल में आवागमन दूभर हो जाता है और इन गांवों के लोग आज भी अपने आप को आज से 15 वर्ष पूर्व की स्थिति के समान महसूस करते हुए देखे जा रहे है? यहां के लोगों का कहना है कि इन ग्रामों में शीघ्र ही पक्की सड़क की सुविधा जनप्रतिनिधियों द्वारा मुहैया करायी जाये जिससे लोगों को शिक्षा स्वास्थ्य जैंसी बुनियादी सुविधाओं के लिये शहर की ओर आवागमन सुगम हो सके। बताया जाता है कि इन ग्रामों के लोगों को आज भी अपनी आवश्यकता की बस्तुओं की खरीद फरोख्त के लिये साईंखेड़ा आना पड़ता है, मगर पक्की सड़क न होने से आवागमन में परेशानी होती है साथ ही साथ इन गांवों में निवास करने वाले बच्चों का भी शिक्षा स्तर गिरता हुआ देखा जा रहा है।

गांवों में लकड़ी के खम्बों के भरोसे चल रही बिजली लाईनों से बन रहा खतरा

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों से बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो अपना पूरा जोश लगाया जा रहा है, मगर वही दूसरी ओर क्षेत्र के फैली बिजली लाईनों के सुधार कार्य से लेकर उनके रख रखाब में इस प्रकार की उदासीनता बरती जाती है कि जहां तहां झूलते हुए बिजली तारों से निकलने वाली आग की चिंगारियों से किसानों के खेतों में जहां खड़ी हुई फसले जलकर खाक हो जाती है या फिर बिजली से लगने वाले करेन्ट के कारण लोगों को बेमौत काल के गाल में समाने के लिए मजबूर होना पड़ता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखने मिल रही है जहां पर बिजली विभाग के उदासीनता के चलते मुख्य मार्गो पर झूलते हुए बिजली तारों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि कभी भी कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है?

खेतों में ऊगती फसल के बीच आसमान पर छाने वाले बादलों को देखकर किसानों के चेहरों पर पड़ रही चिंता की लकीरे, तैयार हो रही फसलों में इल्ली सहित अन्य प्रकार की बीमारी लगने की बन रही आशंका

हरिभूमि न्यूज/खुलरी।

क्षेत्र का किसान जिस प्रकार से बीते हुये कुछ वर्षो से लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये रातदिन एक करते हुये मेहनत करने में जुटा हुआ है। मगर इस समय देखा जा रहा है कि जिस तरह कुछ दिन अच्छी ठंड का अहसास होने के बाद आसमान पर छाने वाले बादलों से यह अनुमान लगने से चूक पा रहा है कि शायद प्रकृति की मार इन किसानों का पीछा नही छोडेगी और आसमान की ओर देखकर किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरे स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है? क्योंकि इस समय जहां अधिकांश किसानों के खेतों में गेंहू की बोनी चलते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर जिन किसानों ने चना की बोनी कर दी गई वह जमीन से ऊँगते हुये हरियानी फैलाने की ओर अग्रसर होते हुये देखे जा रहे है। मगर आसमान पर छाने वाले वादलों ने निश्चित तौर से किसानों को चिंता में डाल दिया गया है। जिसके चलते किसानों की नजर आसमान पर जाकर टिक जाती है और उनकी रातों की नींद गायब होने से नही चूक पाती है। इस तरह बन बिगड़ रहे मौसम के चलते किसानों के खेतों में तैयार हो रही फसलों में इल्ली का प्रकोप की संभावना बनने से नही चूक पा रही है.? क्योंकि हर वर्ष देखा जाता है कि जब सारी परेशानियों को झेलने के बाद अन्नदाता किसानों द्वारा अपने खेतों में इस उम्मीद के साथ फसल की बोनी की जाती है कि शायद इस बार उनका भाग्य संभल जावेगा और प्रकृति साथ दे देगी। मगर जब खेतों में फसले तैयार होने लगती है तो प्रकृति का खेल इस प्रकार से देखने मिलता है कि किसानों की रातों की नींद गायब होने से नही बच पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि इस समय किसानों के खेतों में जहां चना, गेंहू, मसूर सहित अन्य प्रकार की फसले तैयार होते हुये दिखाई पड़ रही है तो अनेक जगहों पर किसानों ने अपने खेतों में राहर फसल लगाई गई थी वह कटने के लिये तैयार होकर खड़ी है। मगर दूसरी ओर जिन किसानों के खेतों में गन्ना फसल लगी हुई है उसकी पिराई का कार्य जोरो पर चल रहा है। वही दूसरी ओर आये दिन आसमान पर बादल छाने के कारण किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरे पड़ने से नही चूक पा रही है। क्योंकि बादलों का डेरा रहने से जहां फसलों में इल्ली का प्रकोप बढ़ रहा है तो दूसरी ओर ठंड में भी ब्रेक लगने से फसल तैयार होने की गति पर अंकुश लग रहा है। क्योंकि किसानों के खेतों में बोई गये चना, मसूर, गेंहू सहित अन्य फसलों के कारण संपूर्ण प्रकृति हरियाली से सराबोर हो रही है उसे लूटने में देर नही लगेगी। इस तरह आसमान पर बदली छाने के कारण ठंड में रूकावट का महौल निर्मित हो रहा है उसके कारण किसानों के खेतों में लहलहाती की ओर अग्रसर हो रही फसलों में इल्ली सहित अन्य प्रकार के रोग लगते हुये देखे जा रहे है तथा अपनी फसलों की सुरक्षा को लेकर किसान अनेक प्रकार से कीट नाशक दबाईयों का छिड़काव करने के लिये अभी से मजबूर होने लगे है। इस स्थिति में किसानों को आर्थिक कठिनाईयाँ भी झेलना पड़ रही है। इस तरह प्रकृति की मार झेल रही किसान आसमान पर छाने वाले बादलों को देखकर सुखमन से रोटी तक नही खा पा रहा है। क्योंकि दिसम्बर जनबरी माह चना, मसूर सहित इस सीजन की फसलों के लिये प्रमुख माना जाता है और इन महिनों में पड़ने वाली ठंड के चलते ही फसलों की जिन्दगी निर्धारित होती है। मगर आसमान में छाने वाले बादल जिस तरह ठंड में रूकावट पैदा कर रहे है वह निश्चित तौर से किसानों के लिये चिंता पैदा करते हुये दिखाई पड़ने लगे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय देखा जा रहा है कि जब किसानों द्वारा अपने खेतों में बोई गई चना, मसूर, गेंहू सहित अन्य फसलों का हाल इस तरह से बना हुआ है कि मौसम के मिजाज के कारण जहां अनेक प्रकार की बीमारियों की चपेट में आ रहे है तो दूसरी ओर उन्हें जंगली जानवर द्वारा तो लगातार क्षति पहुंचाई ही जा रही है जिनकी सुरक्षा में किसान रात दिन अच्छी नींद लेकर सो तक नही पा रहे है तो दूसरी ओर प्रकृति द्वारा की जा रही खिलबाड़ किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीर निकाल रहा है। इस प्रकार से लगातार बन बिगड़ रहे मौसम से फिर क्षेत्र के किसानों को इस बात की चिंता सताने से नही चूक रही है कि कही ऐसा न हो कि उनके खेतों में हरियाली से लहलहाती हुई फसलों पर फिर प्रकृति की मार न पड़ जावे और क्षेत्र का किसान बर्बादी की कगार पर पहुंच जावे? इस संबंध में जब क्षेत्र के किसानों से हमारी हरिभूमि टीम से चर्चा की गई तो क्षेत्र के ग्राम महगंवा निवासी युवा कृषक शैलेन्द्र कौरव के अनुसार इस वर्ष प्रकृति ने जिस प्रकार से खेल खेला गया है उसके चलते निश्चित किसानों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा है। क्योंकि जब किसानों द्वारा अपने खेतों में सोयाबीन व धान फसल लगाई गई थी उस समय जब जरूरत थी उस दौरान अच्छी बारिश नही हुई जिससे सोया बीन सहित धान की फसल काफी हद तक प्रभावित हो जाने के बाद किसानों को उम्मीद थी कि इस सीजन में प्रकृति साथ देगी। मगर इस समय जिस प्रकार से प्रतिदिन मौसम बन बिगड़ रहा है उससे लगा रहा है कि आब किसानों को बर्बाद होने से कोई नही बचा पायेगा। इसी प्रकार से ग्राम भौरझिर निवासी कृषक तुलसीराम राठौर का कहना है कि ठंड का मौसम स्वास्थ्य और फसलो के लिए बेहतर माना जाता है। मगर आसमान में लगातार छाने वाले बादलों के कारण इस वर्ष फसलों के लिये काफी दुखदायी साबित हो रहा है। क्योंकि बादलों के रहने से फसलें अनेक प्रकार की बीमारियों की गिरप्त में आते आ रही है और इसी कारण खेतों में तैयार हो रही फसलों में अनेक प्रकार की बीमारियाँ लगने के कारण उनकी सुरक्षा को लेकर किसान लगातार कर्ज उठाते हुये लागत लगा रहा है। वही ग्राम भौरझिर ही निवासी कृषक चौधरी ब्रजेश सिंह कौरव का कहना है कि पिछले रबी, खरीफ फसल सीजन में प्राकृतिक आपदा से क्षेत्र के किसानो की फसलों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा था। मगर जैसे तैसे साधनों की व्यवस्था कर किसानों ने सही समय पर रबी फसलों की बोवनी की थी और कुछ किसानों की अभी समय पर खाद नही मिल पाने के कारण चल रही हे पर वर्तमान समय में बादलों के उपद्रव ने क्षेत्र के किसानों को फिर चिंता में डाल दिया गया है। इसी प्रकार से ग्राम बांसखेडा निवासी युवा कृषक महेश पटैल का कहना है कि क्षेत्र का किसान मुश्किलों के प्रहार तो किसी तरह झेल लेता है। मगर मौसम की मार उसके लिए असहनीय होती है। पहले क्षेत्र का किसान प्राकृतिक आपदा से पीडित हुआ है, इसके उपरांत क्षेत्र के किसानों ने बड़ी मेहनत से रबी सीजन की फसलो की बोवनी अपने खेतो में की थी। मगर इन दिनों मौसम का किसानों को बिल्कुल साथ न देने से क्षेत्र का किसान उदास होने से इसलिये नही चूक पा रहे है क्योंकि किसानों द्वारा खून पसीना एक करते हुये तैयार की जाने वाली मेहनत पर चंद मिनिटों में पानी फेर देता है।

सालीचौका क्षेत्र में लगातार बढ रहे नशे के काले कारोबार पर अंकुश लगना जरूरी

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इन दिनों सालीचौका क्षेत्र की स्थिति इस तरह देखने मिल रही है कि इस क्षेत्र में मादक पदार्थो का अवैध कारोबार लगातार अपनी गति पकड़ने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। बताया जाता है कि शराब के बाद क्षेत्र में अन्य नशीली चीजो की बिक्री में इजाफा होने से युवा पीढ़ी बर्बाद होने की कगार पर आने लगी है? नगर में आसानी से मिलने वाली महॅगी सिगरेटो के फूॅकने के दौरान युवाओं, किशोरो का लगभग नियमित मदिरा पान करने से घरो का माहौल बिगड़नें की जहां शुरूआत हो गयी है। वही शहरवासी भी शहर के युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आने लगे है। भरोसे मंद सूत्रो के अनुसार इन दिनों नशे के कारोबार में नया मोड़ आ गया है तथा तत्वो द्वारा स्मैक तथा अन्य ऐसे नशीले पदार्थ भी बेचे जाने लगे है? जिनका उपयोग युवाओं के घातक है, मगर इसके बाद भी बताया जात है कि इन पदार्थो का पहली बार प्रयोग करने के बाद गरीब, युवा इसके आदी हो जाते है और इन नशीली चीजो के न मिलने से उनका शरीर छटपटाने लगता है, विदित हुआ है कि आजकल युवक बेधड़क नशीली दवाओं व इंजेक्शनों का इस्तेमाल कर रहे है और कथित तौर पर नशा करने के लिए उनकी तरफ डबल रोटी के स्लाईस पर आयोडेक्स भी खाया जा रहा है, जागरूक क्षेत्र के लोगों का कहना है कि शायद पुलिस लिखा पढ़ी सें बचने नशे के कारोबार पर प्रतिबंध लगाने प्रयास नही कर रही है, जिसका नतीजा है कि नशीली चीजें बिकने से नगर का वातावरण खराब होने के साथ अधिकतर वे युवा बर्बादी की राह पर कदम बढ़ा रहे है जिनके कंधो पर बूढ़े मॉ, बाप, भाई, बहिनो की देख भाल की सीधी जिम्मेदारी है, फिलहाल शहर में नशीली चीजो की बिक्री की रोकथाम की गुहार उठने लगी है, जिसे गंभीरता से सुन पुलिस को अब नशीली चीजो के विक्रय पर रोक लगाना जरूरी हो गया है।

नगर में फैली हुई फाईनेस कंपनियों द्वारा धडल्ले से आमजन की जेब पर डाला जा रहा डाका, प्रशासन की चुप्पी पर खड़े हो रहे सवाल?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

क्षेत्र के नेताओं द्वारा लगातार किये जा रहे प्रयासों का परिणाम है कि गाडरवारा क्षेत्र प्रगति पर तो दिखाई दे रहा है और इसी प्रगति के चलते आज नगर सहित क्षेत्र में व्यापार व अन्य व्यवस्थाओं में भी इजाफा होने लगा है और नगर में अनेक प्रकार की बड़ी बड़ी दुकानों के साथ साथ अन्य प्रतिष्ठान भी खुलते चले जा रहे है, जिसके चलते लोगों की सुविधाएं प्रदान करने के नाम पर नगर में अनेक छोटी बड़ी बैकों द्वारा अपनी ब्रांच खोली जा रही है वही दूसरी ओर अनेक प्रकार की फाईनेंस कंपनियों ने भी अपने पैर जमा लिये गये है। इस प्रकार से दिनों दिन अपने पैर जमा रही इन फाईनेंस कंपरियों की सच्चाई को लेकर जहां अनेक प्रकार के संदेह पैदा होते हुये जान पड़ रहे है। क्योंकि नगर में जहां तहां स्थापित होने जा रही निजी फाईनेस कंपनियों के संबंध में शायद ही कभी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनकी सच्चाई जानने का प्रयास किया गया हो और इसी का परिणाम है कि यह फाईनेस कंपनियों द्वारा क्षेत्र के भोले भाले लोगों को गुमराह करते हुए उनकी जेबों पर डाका डालने से भी नही चूक रही है? यह अलग बात है कि पूर्व में हमारे जिले के नेताओं से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा वाही वाही लूटने के उद्देश्य से जिलो को पूर्ण साक्षर होने का खिताब जरूर दिला दिया गया है। मगर आज भी शहर से लेकर गांवों में निवास करने वाले अनेक लोग इस प्रकार से जिन्हें अंगूठा लगाते हुये देखा जाता है और इस समय जहां तहां चल रहे अंग्रेजी के बोल बाला ने तो स्थानीय स्तर पर पढ़ाई करने वाले युवाओं को भी गुमराह होने के लिये मजबूर कर दिया गया है। इस सच्चाई का लाभ बाहर से आने वाली इन निजी फाईनेस कंपनियों द्वारा धडल्ले से उठाया जा रहा है? बताया जाता है कि नगर में संचालित होने वाले अनेक बड़े बड़े प्रष्ठिानों द्वारा अपने सामग्री बेचने के लिये इन निजी फाईनेस कंपनियों से जुगलबंदी जमाते हुये जहां दुकानदारों द्वारा अपनी सामग्री का विक्रय करते हुये आमजन को फाईनेस करा दिया जाता है और बाद में इन कंपनियों द्वारा जिस प्रकार से आम लोगों की जेबों पर डागा डाला जाता है इस बात की सच्चाई इस समय नगर में अनेक उन लोगों से चर्चा करने के दौरान मिल रही है जिन्होंने नगर की दुकानों से खरीदी गई सामग्री को फाईनेस कराया गया है? इस संबंध में मिल रही जानकारी के अनुसार नगर में जहां तहां स्थापित हुई बाहरी फाईनेस कंपनियों द्वारा नगर के बडे बड़े शोरूमों की शह पर धडल्ले से आम लोगों को लूटने में कोई कसर नही छोड़ रही है। मगर इस ओर न तो प्रशासन द्वारा कोई ध्यान दिया जा रहा है और और नही पुलिस द्वारा जिसका परिणाम है कि नगर सहित क्षेत्र के गांवों में अनेक लोग इन फाईनेस कंपनियों के शिकार होते हुये आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर हो चुके है? बताया जाता है कि जब कोई व्यक्ति किसी बड़ी शोरूम या दुकान पर कोई सामग्री खरीदने के लिए पहुंचता है तो दुकान की संचालक या उसके कर्ताधर्ताओं द्वारा अपने ग्राहक से खुले शब्दों में कहा जाता है कि यह सामग्री उन्हें फाईनेस करा दी जावेगी और उसमें कोई परेशानी नही होगी इस प्रकार से बडे बड़े शोरूमों का संचालन करने वाले कर्ताधर्ताओं के बातों में जब लोग फस जाते है तो वह खुद की फाईनेस कंपनियों के लोगों बुलाते हुये अपनी सामग्री विक्रय करते हुये ग्राहक को आसान किस्तों पर भुगतान करने की सुविधा तो दिला दी जाती है और इसके बदले में ग्राहक से चेंक बुक और अन्य जरूरी दस्तावेजों में हस्ताक्षर ले लिये जाते है और इसके बाद शुरू हो जाता है इन फाईनेस कंपनियों द्वारा लूटने का कार्य जिसके चलते आम उपभोक्ता को सामग्री खरीदते समय फाईनेस के नाम पर बताई गई सच्चाई से संपूर्ण विपरित कार्य शुरू हो जाता है जब कोई उपभोक्ता अपनी किस्त रूपी राशि जमा करता है तो इन फाईनेस कंपनी द्वारा न तो उस जमा राशि के बदले कोई रसीद प्रदान की जाती है और न ही ऐसा कोई पुरूप दिया जाता है जिससे उपभोक्ता यह बात साबित कर सके कि उसके द्वारा इतना भुगतान किया जा चुका है..? जब उपभोक्ता द्वारा फाईनेस के रूप में राशि बसूलने व बाकी के संबंध में फाईनेस कंपनी के संचालकों से चर्चा करता है तो उसके द्वारा जमा किये जाने वाली राशि के बाद भी जो बाकी निकलता है उसे सुनकर उसके पैरो तले से जमीन गायब होते हुई इसलिये दिखाई देने लगती है कि जो सामग्री उसके द्वारा खरीदी गई थी और दुकानदार द्वारा जो रेट बताया गया था उससे काफी अधिक हो जाती है और इस संबंध में जब वह सामग्री विक्रय करने वाले शोरूमों या फिर दुकानदार से चर्चा करता है तो वहां से उसे एक ही जबाव मिलता है कि भाई अब इसमें हम कुछ नही कर सकते है इस संबंध में तो फाईनेस कंपनी वाले ही जाने? यदि कोई व्यक्ति किसी फाईनेस कंपनी की शिकायत करने की हिम्मत जुटाने का प्रयास करता है तो फाईनेस कंपनियों द्वारा उसके सामने वह चेक बुक पेस कर दी जाती है जिसके चेकों पर बगैर तारीख व बगैर राशि के हस्ताक्षर कराने के साथ साथ वह अंग्रेजी वाले दस्तावेज पेश कर दिया जाते है जिन्हें कम पढ़े लिखे हुये नगर के व्यक्ति द्वारा दुकानदानों की लच्छेदार बातों में आकर फाईनेस कपंनी को सौप दिये गये होते है? इस प्रकार से नगर में धडल्ले से अनेक निजी कंपनियों द्वारा आम लोगों की जेबों पर डाका डालते हुये देखा जा रहा है, जिसके चलते आम लोग शोरूम संचालको व फाईनेस कंपनियों की मिली भगत के चलते अपने आपको लुटा हुआ महसूस करने से नही चूक रहे है?

सड़कों के किनारे लगातार बढ़ रही अतिक्रमण के चलते बन रही दुर्घटनाओं की संभावनाएं, प्रशासन बना अनजान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

इस समय नगर में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण की सच्चाई इस प्रकार से देखी जा रही है कि नगर में खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर जिसे जहां मर्जी हो रही है वहां पर अपना कब्जा जमाने से नही चूक रहा है, इस प्रकार से नगर की मुख्य माने जाने वाली सड़कों के किनारे लोगों द्वारा अपने स्वार्थ को ध्यान में रखते हुये किये जाने वाला अतिक्रमण आम लोगों की जिन्दगी के लिये पूर्ण रूप से खतरा साबित होने से नही चूक रहा है, मगर इस सच्चाई को जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है वह चिंता जनक सच्चाई उजागर करने से नही चूक पा रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के प्रमुख माने जाने वाले वायपास मार्ग पर रिलांइस पेट्रोल पंप के पास देखा जा रहा है, जहां पर बताया जाता है कि किसी पंचर पेट्रोल पंप से जब कोई वाहन डीजल या पेट्रोल लेकर जब कौड़िया की ओर जाता है तो इस अतिक्रमण के चलते सामने से आने वाला वाहन उस समय तक दिखाई नही पड़ता है जब तक वह मुख्य मार्ग पर नही पहुंच जाता है और मुख्य मार्ग पर पहुंचते ही जब दूसरी ओर से तेज गति से आने वाले वाहन आमने सामने होते है तो वाहन को रोक पाना मुश्किल होने से नही चूकता है? वही दूसरी ओर जब इस दुकान पर कोई व्यक्ति पंचर जुडवाने या फिर हवा भरवाने के लिये रूकता है तो उसे भी मुख्य सड़क पर ही अपना वाहन खड़ा करना पड़ता है, इस स्थिति के चलते निश्चित ही यहां पर हुआ अतिक्रमण किसी दिन कोई बड़ी घटना का कारण बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? मगर इस सच्चाई को प्रशासन द्वारा जिस प्रकार से नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते यह जान पड़ने से नही चूक पा रहा है कि शायद प्रशासन में बैठे हुये अधिकारी ही किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहे हो? सुधारने वाले व्यक्ति द्वारा किया गया अतिक्रमण निश्चित ही किसी दिन कोई बड़ी घटना को अंजाम देने से नही चूक पायेगा? क्योंकि जिस जगह यह अतिक्रमण करते हुये दुकान बनाई गई है, उसी जगह वाहनों की आवाजाही के लिये प्रमुख स्थल इसलिये मानी जाती है कि जो वाहन कौड़िया की ओर से आता है वह घाट होने के कारण तेज गति से दौड़ते हुये आने से नही चूकता है, वही दूसरी ओर

रात के समय सिग्गल लाईट के भरोसे दौड़ने वाली चार पहिया वाहनों से बन ही दुर्घटनाओं की आशंका...?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। दुर्घटना से देर भली यह नारा यातायात व्यवस्था सुचारू रखने वाली पुलिस हमेशा दोहराती रहती है, किन्तु विडम्बना की बात है कि उसकी तरफ से सड़कों पर अनियांत्रित गति से वाहन चलाने पर रोक नही लगायी जाती है,जिसकी जीतीजागती मिसाल इन दिनों ग्राम खुलरी में देखने को मिल रही है, जहां पर वर्तमान में ग्राम की सड़कों पर दो पाहिया,चार पाहिया वाहन ट्रक व ट्रेक्टर यमदूत बनकर फर्राटे से तेज गति में दौड़ते नजर आ रहे है, हालत यह है कि दोपाहिया वाहन चालक, राहगीर चार पहिया काने वाहनो को रात के समय टू व्हीलर वाहन समझने की भूल कर बैठते है और जब उन्हे सच पता चलता है तो खैरियत से घर पहुॅचने की ईश्वर से प्रार्थना करने लगते है। बताया जाता है कि पुलिस के सामने से भी काने वाहनो के गुजरनें का सिलसिला चलता रहता है पर पुलिस वाहन चालको पर कार्यवाही करने की जगह हरी झंडी दे देते हुये देखी जाती है? जिसका नतीजा है कि ग्राम में सड़क दुर्घटनाओं का अंदेशा लगातार बढ़ता जा रहा है, यातायात व्यवस्था में बाधक साबित हो रहे फर्राटे से दौड़ते वाहनों के सम्बंध में हरिभूमि टीम से क्षेत्रवासियों ने चर्चा करते हुए कहा कि गांवो की सड़को पर बिना बैक लाईट वाले वाहनो का दौड़ाया जाना खतरनाक साबित हो रहा है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों के सकरे मार्गो पर जब अनियंत्रित गाति वाले वाहन चलते है तो लोंगो का दिल दहल जाता है, पुलिस को जनहित में सड़को पर काने यानि की रात के समय वह बड़े वाहन जिनका एक लाईट ही जलता है इस प्रकार के वाहनो के दौड़ाने पर पाबंदी लगानी चाहिए, ग्रामीणों के अनुसार रात में सिंगल लाईट वाले चार पाहिया वाहनों का सड़को पर दौड़ना उचित नही है, इन वाहनों से कभी भी सड़क हादसा हो सकता है, वाहनो की धमाचौकड़ी पर पुलिस को शीघ्र प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्षेत्र के लोगों के मुताबिक हमारे मकान मुख्य सड़क के किनारे बने हुए है, जहां छोटे बच्चे हमेशा खेलते है, बच्चो की नासमझी और निरंकुश वाहन चालको की जुर्रत से कभी भी दुर्घटना हो सकती है, वही क्षेत्र लोगों का कहना है कि शाम के समय अंधेरा होने से इवनिंक बाईक पर निकले ग्रामवासी घर लौटते समय चार पाहिया वाहनो की सिंगल लाईट के कारण दोपाहिया वाहन समझ बैठते है और उन्हे बाल बाल बाचते हुए घर लौटने मजबूर होना पड़ता है, अक्सर देखा जाता है कि वाहन चालको को पुलिस का खौफ नहीं रह गया है, इसी का कारण है कि सड़को पर काने वाहन बेरोकटोक दौड़ रहे है।

खबर संक्षेप

आंतरिक परिवाद समिति का गठन सुनिश्चित किया जाये: कलेक्टर

डिंडौरी। आज हम होंगे कामयाब कार्यक्रम के तहत कार्यस्थल पर लैंगिक शोषण अधिनियम के पालन में महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए कार्य स्थल पर लैंगिक शोषण अधिनियम की जानकारी दी गयी। कार्यस्थल शोषण अधिनियम 2013 के तहत 10 या 10 से अधिक कर्मचारी कार्यालय पर पदस्थ होने पर कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने आंतरिक परिवाद समिति गठित करने के निर्देश दिए, साथ ही सूचना पटल पर निर्धारित फॉर्मेट में समिति की जानकारी चस्पा करने के लिए निर्देशित किया गया। समिति की अध्यक्ष कार्यालय की वरिष्ठ महिला अधिकारी होंगी। महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय ने इस संबंध में समस्त विभागों में प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। पोश एक्ट (च्वैभ् ।बज) अर्थात ष्यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और निवारण) अधिनियम, 2013ष इसका उद्देश्य कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न को रोकना और पीड़ितों को न्याय प्रदान करना है।पोश एक्ट के मुख्य प्रावधानों में यौन उत्पीड़न की परिभाषा,कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम,शिकायत समिति,दंड और मुआवजा आदि शामिल है। पोश एक्ट कार्यस्थल पर सुरक्षा और संरक्षण,यौन उत्पीड़न की रोकथाम, पीड़ितों को न्याय और मुआवजा,कार्यस्थल पर समानता और न्याय को बढ़ावा देने के लिए बनाया अधिनियम है।

जिले में है उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता

डिंडौरी। वर्तमान में जिले में रबी वर्ष 2024-25 हेतु बुवाई का कार्य प्रारम्भ है। एवं फसल की अच्छी पैदावार हेतु उर्वरक की आवश्यकता होती है। जिले में कुल उर्वरक उपलब्धता 3714.9 मीट्रिक टन है जिसमे यूरिया 2290.35 मीट्रिक टन, डीएपी 409.86, एनपीके 922.10 एस.एस.पी 63.30, एम.ओ.पी. 29.25 मीट्रिक टन उपलब्ध है। वर्तमान में उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है तथा विपणन संघ, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति एवं निजी संस्थानों के माध्यम से उर्वरक का वितरण किया जा रहा है। कृषको को डीएपी के स्थान पर अन्य विकल्प जैसे एन.पी.के. एवं सिंगल सुपर फॉस्फेट का उपयोग करने हेतु प्रशिक्षण एवं कृषि तकनीकी पखवाड़े का आयोजन कर जागरूक किया जा रहा है।

मृतक किसानों के ऋण पर नहीं हुई ब्याज माफी

अनूपपुर। प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चुनाव से पहले किसानों के लिए ऋण पर ब्याज माफी की घोषणा की थी। इस घोषणा के तहत सभी किसानों से ब्याज माफी के लिए फार्म भरवाए गए थे। कई किसानों को इसका लाभ भी मिला, लेकिन अनूपपुर जिले के करीब 40 से 45 किसान जिनका निधन हो चुका है, उनके परिवारों को अभी तक इस योजना का लाभ नहीं मिला है। आखिर इन किसानों के साथ दोहरा व्यवहार क्यों जब भी इन मृतक किसानों के परिवार जब बैंक में ऋण जमा करने जाते हैं, तो उन्हें मूल ऋण के साथ बढ़ा हुआ ब्याज भी जमा करने को कहा जाता है, जो अब मूल राशि के बराबर या फिर अधिक हो चुका है। इससे परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इस मुद्दे पर भगवा पार्टी के जिलाध्यक्ष कमलेश द्विवेदी ने शासन-प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह किसानों के साथ अन्याय है। यदि सरकार ने चुनाव से पहले किसानों को राहत देने की घोषणा की थी, तो मृतक किसानों के परिवारों को भी इसका लाभ मिलना चाहिए। हम मांग करते हैं कि इन सभी किसानों के मूल ऋण पर ब्याज माफ किया जाए, ताकि उनके परिवारों को राहत मिल सके। परिवारों का कहना है कि वे पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं।

ग्रामीणों ने अधिकारियों और ठेकेदार पर के लगाएं सांठगांठ के

पीएमजीएसवाय से बनी सड़क गारंटी से पहले ही हुई खराब

डिंडौरी

गोरखपुर चैरादादर खारीडीह मार्ग से सोनतीरथ जाने वाले मार्ग की स्थिति बद्तर हो चुकी हैं वर्तमान में इसमें कई स्थानों पर डामर का पता नहीं चलता,पूरा मार्ग उबड़-खाबड़ होकर बड़े बड़े गढ्डों में तब्दील हो चुका हैं । मार्ग निर्माण के संबंध में सड़क किनारे लगे बोर्ड में लिखें जानकारी अनुसार यह प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चैरादादर खारीडीह रोड से सोनतीरथ जाने वाले मार्ग लंबाई-11-56 ज्ञड लागत-48.94 लाख निर्माण पै-ड्च12 गारंटी अवधि पूर्णता तिथि- ठेकेदार द्वारा गारंटी की अवधि 5 वर्ष ठेकेदार का नाम रखरखाव कार्य-संदीप राय बिछिया शहपुरा कार्य प्रारंभ तिथि-22.12.2022 रखरखाव कार्य की अंतिम तिथि-21-12-2027 पांच वर्षों की रखरखाव कार्य की लागत-11-17 लाख क्रियान्वयन एजेंसी म.प्र.ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण परियोजना क्रियान्वयन इकाई डिंडौरी अंकित हैं।बावजूद इसके न तो नियमानुसार गढ्ढे भरें जा रहें और न ही अब तक समतलीकरण का प्रयास किया गया परिणामस्वरूप अनेकों लोगों ने इस मार्ग से आना जाना बंद कर दिया जबकि वनांचल वासियों को कठिनाइयों का सामना कर गंतव्यों तक आना जाना पड़ रहा क्षेत्रीय वासियों ने संवेदनशील कलेक्टर श्री हर्ष सिंह से इस समस्या पर ध्यान देने का आग्रह करते हुए संबंधित ठेकेदार को आदेश जारी कर मार्ग को अविलंब दुरुस्त करने का निर्देश जारी करेंगे। ग्रामीणों को मानना है कि इस मामले में जितना दोषी ठेकेदार है उससे कहीं ज्यादा क्षेत्र की जनप्रतिनिधि और जागरूक नागरिक हैं दरअसल क्षेत्रीय ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के समय ही गुणवत्ता को लेकर लामबंद हुए थे और ठेकेदार पर मनमानी के आरोप लगाए थे यदि इस समय ही निर्माण कार्य पर ध्यान दे दिया

गया होता तो आज सड़क की यह स्थिति नहीं होती परिणाम स्वरूप गारंटी के पहले ही रोड उखड़ चुकी हैं । ग्रामीणों ने बातचीत में बताया कि यह मार्ग हमारे लिए बहुउपयोगी हैं जनपद से लेकर जिला तक जाने के लिए हम इसी रास्ते से आते जाते हैं। यघपि इस मार्ग की समय पूर्व दुर्दशा में जितना दोषी ठेकेदार कहलाएगा उससे अधिक क्षेत्र के नेता जनप्रतिनिधि भी है क्योंकि जब रोड निर्माणाधीन था तब क्षेत्र के लोगों ने इसके गुणवत्ता को लेकर लामबंद हो आवाज बुलंद किए थें लेकिन उस समय न तो विभाग ने ध्यान दिया और न ही हमारे वोट के मालिकों परिणामस्वरुप सड़क गारंटी के पहले ही उखड़ गई। ग्रामीणों ने इस बात पर जोर देकर कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को आसान बनाने के लिए गांव गांव सड़क का निर्माण किया गया लेकिन अधिकतर सड़कों में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए यह बड़ी उपलब्धि से कम नहीं कहलाता यघपि बार बार सरकार इतने बड़े बजट पास नहीं करते लिहाजा सड़क को फिर से उखाड़ कर बनाया जाएं। कोई माई बाप नहीं -ग्रामीणों ने सरकारी निर्माण कार्य के घटिया हालातों को देखते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता परखने तथा मानीटरिंग करने कोई नहीं आता हैं ठेकेदार की मनमानी भी हावी रहती हैं।एक प्रकार से निर्माण कार्यों का कोई माई बाप नहीं है अंधेर नगरी चैपट राजा जितना लगें उतना खाजा के कहावत को चरितार्थ करते निर्माण कार्य हैं।

आमजनता की चिंता नहीं किसी को

इस क्षेत्र के नागरिक समय पूर्व सड़क की बद्तर स्थिति से निर्माणकर्ता, विभागीय अधिकारी कर्मचारी, तथा नेताओं की लापरवाह भूमिका को लेकर बेहद नाराज देखें जा रहें यह कहते हैं कि ठेकेदार को तो अपने फायदे से मतलब हैं लेकिन सरकारी तंत्र और जनप्रतिनिधियों को आमजनता के हित में सोचना चाहिए लेकिन किसी को चिंता करने की फुर्सत नहीं, लेकिन यह जरूर देखा गया कि चुनाव आते ही जनता से सारे रिश्ते नाते दुख दर्द अहसास अपनापन जिंदा हो जातें हैं और जैसे ही मतदान संपन्न हुआ दूसरे दिन से जनता की पूंछपरख खत्म फिर आपके दुख दर्द को पांच साल तक कोई देखने जानने नहीं आता। ग्रामीणों ने अपनी बातों को आक्रोशित लहजे में कहते हुए विभागीय अधिकारी और ठेकेदार के बीच सांठगांठ से घटिया निर्माण का आरोप लगाया है।

चोटिल हो रहे लोग

जंगल क्षेत्र के सैकड़ों आमजन कर्मचारी छात्र छात्राओं को प्रतिदिन मुख्य मार्ग तक उनके गंतव्यों तक लेकर जाने वाले इस मार्ग में वर्तमान में आवागमन करना जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है दरअसल सड़क पर जगह जगह बन आएं गढ्डे और डामर छोड़कर बाहर निकले नुकीले गिट्टियों के बीच से गुजरने पर लोग फिसलकर चोटिल हो रहें , वहीं ऐसे खराब रास्ते में वाहन चलाने से चालकों को अनेकों समस्याओं का सामना कर गाड़ी मालिकों को टायर पंचर,कल पुर्जों के खराब होने के रुप में अनावश्यक आर्थिक क्षति हो रही हैं। लिहाजा इस पर सुधार करना जरूरी हो गया है।

हम होंगे कामयाब पखवाड़ा के तहत जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डिंडौरी। आज सोमवार को महिला एवं बाल विकास परियोजना डिण्डौरी के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विक्रमपुर में हम होंगे कामयाब पखवाडा के तहत जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक, आंगनवाडी कार्यकर्ताए, एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिसमें (पीसीपीएनडीटी) गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम की जानकारी दी गई एवं अधिनियम के प्रावधानों के बारे में वीडियों दिखाकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बाल विवाह मुक्त भारत के संबंध में शपथ दिलाई गई पीसीपीएनडीटी एक्ट अर्थात ष्प्री-कॉन्सेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स (प्रतिबंध और नियमन) अधिनियम, 1994ष का उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या को रोकना और लिंगानुपात को नियंत्रित करना है। पीसीपीएनडीटी एक्ट के मुख्य प्रावधानों में लिंग-आधारित गर्भपात की रोकथाम, गर्भपात के लिए आवश्यक शर्तें, प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स का नियमन, लिंग-आधारित गर्भपात और भ्रूण हत्या के लिए दंड और मुआवजा का प्रावधान किया गया है पीसीपीएनडीटी एक्ट लिंग-आधारित गर्भपात और भ्रूण हत्या की रोकथाम, महिलाओं के अधिकारों की रक्षा,गर्भपात के लिए सुरक्षित और कानूनी विकल्प प्रदान करने एवं समाज में लिंग समानता को बढ़ावा देने के लिए उपयोगी है।

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 25 नवंबर से प्रारंभ

डिंडौरी। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रीय युवा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी आदित्य सिंह ने बताया कि इस वर्ष युवा महोत्सव की थीम विकसित भारत यंग लीडर पर आधारित होकर चार स्टेज में इस कार्यक्रम का आयोजन होगा जिसमें युवा मायभारत पोर्टल पर 25 नवंबर 2024 से 5 दिसंबर 2024 तक प्रतिभाग कर सकते है। भाग लेने के लिए 15 से 29 वर्ष के युवा पात्र हैं। पहले चरण में विकसित भारत की थीम पर ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन मायभारत पोर्टल पर होगा। इसमें से चुने गए प्रतिभागी दूसरे चरण में ऑनलाइन निबंध लेखन में भाग लेंगे। तीसरे लेवल पर स्टेट चैंपियनशिप भोपाल में और चैथी और आखिरी चरण में नेशनल चैंपियनशिप नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यंग माइंड को अपने देश की संस्कृति, इतिहास और सभ्यता से जोड़ना और साथ ही साथ युवाओं से संवाद कर उनके विचार को प्रमुखता के साथ राष्ट्रीय स्तर पर साँझा करना है । विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉगष राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान 11 और 12 जनवरी 2025 को आयोजित होगा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के भारत मंडपम में 3000 युवा नेताओं के साथ संवाद करेंगे ।इन 3000 युवा नेताओं में से 1500 प्रतिभागियों का चयन ष्विकसित भारत चैलेंजष के माध्यम से डल भारत प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। राष्ट्रीय युवा महोत्सव - ष्विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉगष का उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा को पहचानना और उसे प्रोत्साहित करना है, जिससे उन्हें ष्विकसित भारतष के लिए अपने विचार साझा करने का एक मंच मिल सके ।

उपार्जन केन्द्रों की लगातार मॉनीटरिंग करें: कलेक्टर

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई समय सीमा की बैठक

डिंडौरी। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने आज सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा बैठक ली। उन्होंने बैठक में विभागवार संचालित योजनाओं एवं कार्य प्रगति की समीक्षा की। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा श्री एश्वर्य वर्मा, एसडीएम बजाग सुश्री भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर श्री वैधनाथ वासनिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने आज 02 दिसम्बर से जिले में प्रारंभ खरीफ उपार्जन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों में सर्वेयर, बारदाना, पेयजल, मापतौल कांटा सहित अन्य अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन केन्द्रों की लगातार मॉनीटरिंग करने के लिए एसडीएम, तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्रों में मॉपतौल वजन आदि के संबंध में निर्धारित मापदण्डों का पालन किया जाए। तौल के समय पारदर्शिता रखते हुए यह सुनिश्चित करें कि उपार्जन केन्द्र से गंतव्य स्थान तक उत्पाद की मात्रा में कमी न आए। उपार्जन केन्द्रों से खरीदी के बाद उठाव, परिवहन और भण्डारण व्यवस्थाओं को सतत जारी रखें।

कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने हाथी और बाघ के मूवमेंट के सम्बन्ध में जानकारी ली, जिसमें बताया गया कि बाघ का मूवमेंट अभी भी क्षेत्र में है, जिसपर सतत निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने ''हम होंगे कामयाब'' पखवाड़ा, टी.बी. मुक्त भारत अभियान के संबंध में जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि हम होंगे कामयाब पखवाड़ा के तहत प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। वहीं 7 दिसम्बर से टी.बी. मुक्त भारत अभियान चलाया जाएगा।

कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने बसों की नियमित चैकिंग रखने के लिए आरटीओ को निर्देशित करते हुए कहा कि लगातार चैकिंग से खराब वाहनों को चिन्हित कर उचित कार्यवाही करें। उन्होंने शीत ऋतु के मद्देनजर नगर परिषद की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि स्कूली छात्रावासों में भी ठंड से बचाव के उचित बंदोबस्त किये जाएं।

कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने राजस्व महाअभियान 3.0 के संबंध में राजस्व मामलों की समीक्षा की। राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण, नक्शा तरमीम, पीएम किसान, आधार लिंकिंग, परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्तीकरण, परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग की समीक्षा की। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने नक्शे के बटांकन, आधार से लिंकिंग में विशेष केंद्रण कर लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए, उन्होंने पीएम किसान में सेचुरेशन प्राप्त करने के लिए सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने बैठक में पीएम जनमन के तहत संबंधित विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए पीएम जनमन आवास, विद्युत आपूर्ति, पीएम स्वनिधि, आंगनबाड़ी, आयुष्मान भारत कार्ड, नलजल, आदि की जानकारी ली। उन्होंने पीएम जनमन आवास के तहत गत सप्ताह की प्रगति व द्वितीय एवं तृतीय किस्त की राशि व नवीन स्वीकृतियों के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा की, उन्होंने आयुष्मान कार्ड के शेष लक्ष्य की पूर्ति जल्द से जल्द करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने स्व-रोजगार एवं रोजगार के लिए संचालित योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए बीज वितरण, उर्वरक की उपलब्धता आदि की जानकारी ली। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने पशुपालन और मत्स्य विभाग के किसान क्रेडिट कार्ड की प्रगति की समीक्षा की।

कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने आदर्श ग्राम चाड़ा के लिए किये जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की, जिसमें कलेक्टर श्री सिंह ने किसान क्रेडिट कार्ड, उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पीएम आवास, टैप वाटर, बिजली कनेक्शन, टीबी रोग जाँच, आदि योजनाओं के लक्ष्यों करने के लिए निर्देशित किया।

कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि स्कूलों में स्वास्थ्य जांच के लिए एक शैड्यूल बनाकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करवायें। उन्होंने कहा कि ऐसे शिक्षक जिनकी लगातार शिकायतें आ रहीं हैं, उन पर संबंधित अधिकारी कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए निर्माणाधीन सभी शासकीय भवनों में रैम्प आदि सुगम सुविधाएं प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने नगर परिषद के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए सीएमओ को निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने सीएम हेल्पलाईन और समय-सीमा प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा कर लंबित प्रकरणों को त्वरित निपटान करने के लिए निर्देशित किया।

विद्युत विभाग एवं नगर परिषद् की उदासीनता से नगर में पेयजल समस्या

नगर परिषद और विद्युत विभाग के ज़िम्मेदार दे रहे गोलमोल जवाब

शहपुरा - शहपुरा में पानी की किल्लत से बढ़ी नगरवासियों की परेशानी, प्रशासन बेखबर शहपुरा नगर में इन दिनों पानी की समस्या ने विकराल रूप ले लिया है। नगरवासियों को एक दिन के अंतराल पर ही पानी मिल रहा है, जिससे उनका दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। पानी की यह कमी नगरवासियों के लिए भारी परेशानी का सबब बन गई है, लेकिन संबंधित विभाग समस्या का समाधान निकालने में विफल साबित हो रहे हैं।

नगरवासियों का कहना है कि गर्मी के मौसम में हम पानी के लिए परेशान होते है पर ठण्ड मे इस तरह की समस्या उनके लिए गंभीर संकट खड़ा कर रही है। “हमारे परिवारों के लिए बुनियादी जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो रहा है। प्रशासन से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल संकट को प्राथमिकता देकर जल्द समाधान निकाला जाए। वहीं, बिजली विभाग से भी अनुरोध किया गया है कि वोल्टेज की समस्या को ठीक किया जाए ताकि पानी की आपूर्ति नियमित हो सके। अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो नगरवासी आंदोलन करने पर मजबूर हो सकते हैं।

इनका कहना है

जल आपूर्ति में समस्या का मुख्य कारण वोल्टेज की कमी है। इस तकनीकी समस्या के कारण पानी की नियमित आपूर्ति बाधित हो रही है। हालांकि, दूसरी ओर बिजली विभाग के अधिकारी इस मुद्दे पर कोई ठोस कदम उठाने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

आनन्द अग्रवाल (मानू)
जल प्रभारी
नगर परिषद शहपुरा

क्षेत्र में लगातार लोड बढ़ रहा है जिसके कारण वोल्टेज की कमी हो रही है, जल्द समस्या का निराकरण किया जायेगा।

कमल उइके (जे ई) शहपुरा

एचआईवी एड्स के प्रति जन जागरुकता रैली का आयोजन

मेंहदवानी। शासकीय महाविद्यालय मेहदवानी में सोमवार को कार्यक्रम के प्राचार्य सुश्री माया कनासे के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष में एचआईवी /एड्स जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। छात्र छात्राओं ने एचआईवी एड्स के फैलने से रोकने के लिए संकल्प लिया और अपने आसपास के लोगों को और अपने अपने ग्राम के लोगों को भी एचआईवी एड्स के बारे में जागरूक किया जाएगा। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से युवाओं को एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक होने हेतु आह्वान किया, राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ गौरी सिंह परते नें महाविद्यालय की विद्यार्थियों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं डॉ शशिकांत चंदेला, डॉ सुरेश प्रसाद पाण्डेय, श्रीमती अमृता सूर्यवंशी, श्रीमती पिंकी श्रीवास्तव ने हिस्सा लिया।

कलेक्टर ने पुस्तकालय भवन का किया निरीक्षण

डिंडौरी। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने पुस्तकालय भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने पुस्तकालय में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पुस्तकालय भवन को व्यवस्थित करने के लिए प्रस्ताव बनाएं। जिसमें विद्यार्थियों के बैठने की उचित व्यवस्था, उचित डेस्क, पुस्तकें, आदि व्यवस्थाऐं शामिल करें। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने परिसर में स्थित आरसीबीसी सेंटर, म्यूजियम और पत्रकार भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भवन की उचित व्यवस्थाऐं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

खेलो एमपी यूथ गेम्स 2024 की तैयारियों के संबंध में बैठक संपन्न

डिंडौरी। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह की अध्यक्षता में आज सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में खेलो एमपी यूथ गेम्स 2024 की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर, एसडीएम शहपुरा श्री एश्वर्य वर्मा, जिला खेल अधिकारी श्री अहमद खान, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग डॉ. संतोष शुक्ला, खेल प्रशिक्षक श्री चेतराम अहिरवार सहित समस्त सीईओ जनपद पंचायत एवं खेल विभाग अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने खेलो एमपी यूथ गेम्स 2024 की तैयारियों की जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि विकासखंड स्तर पर चयन प्रक्रिया दिसंबर महीने में की जाएगी, खेलो एमपी यूथ गेम्स के तहत 19 खेलों जिसमें एथेलेटिक्स, बॉस्केटबॉल, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो-खो, मलखम्ब, तैराकी, वेट लिफ्टिंग, कुश्ती, टेबल टेनिस, योगासन, वॉलीबॉल, टेनिस एवं शतरंज शामिल हैं। विकासखंड स्तर पर 19 वर्ष से कम आयु के खिलाडी ट्रॉयल में भाग ले सकते हैं। जिनका चयन खेल चयन समिति द्वारा किया जाएगा। चयनित खिलाडी एवं टीमें को जिला स्तर प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। ट्रॉयल और प्रतियोगिता के आयोजन की तिथि पृथक से घोषित की जाएगी कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने सुव्यवस्थित तरीके से खेल आयोजन कराने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि खेल उपकरण और खेल मैदान को तैयार रखें। उन्होंने नगर परिषद को स्टेडियम तैयारी के लिए निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

शंकराचार्य नेत्रालय विद्यालय स्टॉफ ने किया भ्रमण

गोटेगांव - समीपवर्ती ग्राम झोतेश्वर में स्थित शंकराचार्य नेत्रालय के डॉक्टरों ने किया भ्रमण शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वेगरवानी बिकास खण्ड धनोरा जिला सिवनी में व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत हेल्थ केयर ट्रेड विषय जो कि विभन्न कक्षाओं संचालित है इसके अंतर्गत प्रत्येक कक्षाओं के हेल्थकेयर के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करने के लिए शंकराचार्य नेत्रालय में औद्योगिक शैक्षणिक भ्रमण में आये जिसमेछात्र छात्राओं एवं स्टॉफ ने नेत्रालय में होने वाली नेत्र एवं अन्य स्वाथ्य संबंधित जानकारी को विस्तार पूर्वक शंकराचार्य नेत्रालय के मैनेजर डॉ श्रीकांत पटेल डॉ अभिषेक मुकर्जी एवं सम्बंधित विभागीय डॉ द्वारा बताई गई भ्रमण में आये छात्राओं एवं विद्यालय के प्राचार्य डी के राय बी एल उइके श्रीमती सुधा डहरवाल लक्ष्मी नारायण सल्लाम धनीराम तखरे आदियेंद्र सिंग भदौरियाबलवीर चौधरी रामकुमार डेहरिया आकाश दुबे एवं 11 वीं 12 वीं के लगभग 70 छात्र-छात्राएं रहे

नहीं रहे मुकेश अग्रवाल

तेंदूखेड़ा नगर के प्रतिष्ठित किराना व्यापारी तथा धार्मिक आयोजनों में अपनी महती भूमिका निभाने वाले मुकेश अग्रवाल का गत दिवस दुखद निधन हो गया। जिन्हें नगर के सभी वर्गों के लोगों ने अपनी अपनी श्रंद्धाजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी। मुकेश अग्रवाल सैंकी अग्रवाल के पूज्य पिता थे।

विश्व एड्स दिवस पर निकाली जन जागरण रैली

तेंदूखेड़ा एक दिसम्बर विश्व एड्स दिवस के अवसर पर नगर में राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई की छात्राओं द्वारा जहां महाविद्यालय परिसर में पोस्टर चित्रकला भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से एड्स विषय पर जागरूकता की गई वहीं जानकारी ही बचाव बताया। सोमवार को नगर के मुख्य मार्गों से छात्राओं के द्वारा जन जागरण रैली नगर के मुख्य मार्गों से निकाली गई हाथ में पोस्टर लेकर रैली में चल रही स्वयं सेविकाओं ने एड्स विषय पर अपने अपने विचार रखते हुए सभी विंदुओं पर विस्तार से चर्चा की और जानकारी ही बचाव मुख्य सूत्र बताया।

मींस छात्रवृत्ति परीक्षा में बैठे 157छात्र

तेंदूखेड़ा विगत दिवस स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग शिक्षा मंत्रालय के द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी विद्यार्थियों को कक्षा आठ में पढ़ाई छोड़ने से रोकने तथा माध्यमिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की तरह मींस छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की गई परीक्षा केंद्र क्रमांक 7321 कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा में आयोजित इस परीक्षा में 165 छात्र छात्राओं में से

एसडीएम के कारण नहीं हो पा रही मंदिर में ट्रस्टियों की नियुक्ति

न्यायालय के आदेशों की जा रही है अवहेलना

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंहपुर एसडीएम की कार्यप्रणाली के कारण आम आदमी जहां परेशान रहता है वही उनकी कार्य पद्धति हमेशा विवादस्त बनी रहती है साथ ही कई मामलों में वे नियम कानून के विपरीत कार्य कर रहे हैं और अपने से उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना करते आ रहे हैं। इसी क्रम में एसडीम ने ग्राम नयाखेड़ा में देव मुरलीधर मंदिर के मामले में किया है। यदि इस मामले में शीघ्र हमारी मांग को नहीं माना गया तो सक्षम न्यायालय में जाने के साथ-साथ आंदोलन भी किया जाएगा।

उक्त आरोप लगाते हुए नरसिंहपुर जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष एवं ग्राम नयाखेड़ा निवासी कन्छेदी पटैल ने बताया कि नयाखेड़ा में देव मुरलीधर मंदिर स्थित है, जिसमें 125 एकड भूमि लगी हुई है, जिन ग्रामों में भूमि लगी हुई है उनके पांच ग्रामों के नाम नयाखेडा, गरगटा, सगौनी (खुर्द), सगौनी (लकड्याउ), सगौनी (चौधरी) हैं, जिसका ट्रस्ट बना है जो देव मुरलीधर मंदिर ट्रस्ट नयाखेडा के नाम से है उक्त ट्रस्ट वर्ष 1988 मे ट्रस्टियों की नियुक्ती हेतु उक्त पांच ग्राम के मतदाताओ द्वारा ट्रस्टियों की नियुक्ति जिला न्यायाधीश नरसिंहपुर ने की थी तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी राजस्त्र द्वारा मतदान प्रक्रिया कराकर जिसमें सात ट्रस्टियों एवं एक अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न कराया था, उक्त ट्रस्ट में पांच ट्रस्टियों की मृत्यू हो जाने पर पुनः ट्रस्टियों की नियुक्ति में हीला हवाली की गई जिसपर आवेदक कन्छेदी पटैल ने जिला न्यायाधीश नरसिंहपुर में ट्रस्टियों की नियुक्ति कराने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया था, आवेदक के आवेदन की सुनवाई प्रथम अपर जिला न्यायाधीश अखिलेश धाकड के समक्ष हुई जिसमें न्यायालय द्वारा 6.5.2023 को आदेश पारित करते समय निष्कर्ष सहित यह आदेश पारित किया गया था कि पंजीयक लोक न्यास श्री देव मुरलीधर मंदिर ट्रस्ट के रख-रखाव देख-रेख व प्रशासन हेतु चूंकि पांच ट्रस्टियों के पद रिक्त हो गये है। अतः उक्त रिक्त पदों की पूर्ति जिला न्यायाधीश नरसिंहपुर के विविध वाद क्र. 13/84 के निर्देश के बिन्दु क्रमांक 10 अधीन गुप्त मतदान द्वारा आम चुनाव कराकर ट्रस्ट को पुनः गठित करें, उक्तानुसार आवेदक द्वारा माननीय न्यायालय के आदेश की प्रति सहित पंजीयक लोक न्यास को ट्रस्टीगण की नियुक्ति हेतु चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये पंजीयक लोक न्यास अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा आदेशों की अवहेलना की गई। नरसिंहपुर जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष एवं ग्राम नयाखेड़ा निवासी कन्छेदी पटैल ने बताया कि मेरे द्वारा उक्त मंदिर के ट्रस्टियों के चयन हेतु चुनाव प्रक्रिया कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया, किन्तु पंजीयक लोक न्यास के द्वारा भी न्यायालय के आदेशों का पालन कराने हेतु कोई रूचि नहीं दिखाई गई इसके बाद उक्त मंदिर के ट्रस्टियों की नियुक्ति हेतु जन सुनवाई में भी आवेदन दिये किन्तु उस पर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई, इसके अलावा मंदिर से जुडे लोगों द्वारा भी सी.एम. हेल्प में शिकायत दर्ज कराई गई, किन्तु उसमें भी कोई निराकरण नहीं हुआ एवं न्यायालय के आदेशा अनुसार चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराकर रिक्त पदों पर उक्त मंदिर के ट्रस्टियों की नियुक्ति नहीं की गई जिससे पूरे क्षेत्रों में असंतोष का माहोल उत्पन्न है एवं इसमें लोक न्यास पंजीयक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरसिंहपुर की कार्यप्रणाली पर संदेह उत्पन्न हो रहा है, और इस मंदिर से जुडे पांच गांवों के लोगो की आस्था एवं मंदिर की व्यवस्था के साथ खिलवाड हो रहा है। पत्रकारवार्ता में मौजूद मंदिर ट्रस्टी बेनीप्रसाद पटेल ने बताया कि अध्यक्ष की मनमानी के कारण कार्यों में पारदर्शिता नही है और एसडीम महोदय किसी की सुनने तैयार नही हैं। पत्रकार वार्ता में नयाखेड़ा क्षेत्र के सुरेंद्र पटेल, भारत भारत पटेल, संतोष श्रीवास्तव आदि ने भी शीघ्र मंदिर ट्रस्ट के गठन के लिए संपूर्ण प्रक्रिया अपनाने की मांग की और कहा कि मतदान से इस प्रक्रिया को पूरा किया जा सकता है। तथा ट्रस्ट के कार्यों में पारदर्शित हो।

पटवारी राजस्व संबंधी कार्यों को बेहतर तरीके से करें- कलेक्टर

लापरवाही बरतने पर 6 पटवारियों को नोटिस व एक पटवारी निलंबित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने निर्देश दिये कि पटवारी राजस्व संबंधी कार्यों को बेहतर तरीके से सम्पादित करें। राजस्व महाअभियान अन्तर्गत कार्यों को प्राथमिकता पर रखें।प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही नहीं हो।राज्य शासन का यह महत्वाकांक्षी अभियान है। नागरिकों की राजस्व संबंधी समस्याओं और उनके प्रकरणों का समाधान तत्परता से करें। कलेक्टर श्रीमती पटले ने सोमवार को जनपद पंचायत गोटेगांव में राजस्व महाअभियान 3.0 के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व न्यायालयों- आरसीएमएस में लंबित प्रकरणों, नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती व सीमांकन के प्रकरणों का निराकरण, नये राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज करना नक्शे पर तरमीम आदि की गहन समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि राजस्व विभाग के राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक करने के लिए राजस्व महाअभियान 3.0 का आयोजन 15 नवम्बर से 15 दिसम्बर 2024 तक चलाये जाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व महाअभियान की समीक्षा में पाया कि इसमें आशा अनुरूप प्रगति नहीं है। कार्यों में लापरवाही बरतने और हल्के पर उपस्थित नहीं होने पर 6 पटवारियों को नोटिस जारी करने के निदेश दिये हैं। उन्होंने ग्राम पंचायत रीछा के पटवारी आशीष ठाकुर को निलंबित करने के निर्देश दिये। वहीं कलेक्टर ने कानूनगो के कार्य में लापरवाही बरतने पर महेन्द्र कुमार चंदानिया को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। बैठक में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी श्रीमती देवंती परते, तहसीलदार,नायब तहसीलदार,राजस्व निरीक्षक और पटवारी मौजूद थे।

किसानों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

केन्द्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केन्द्र इंदौर द्वारा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में केन्द्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केन्द्र इन्दौर द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय कीटनाशक निगरानी प्रणाली- एनपीएसएस प्रशिक्षण का आयोजन सोमवार को किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिले के 10 प्रगतिशील किसान एवं कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित में एनपीएसएस मोबाइल एप व इसके लाभ और आईपीएम एप पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। जिले में सभी फसलों पर लगातार कृषि विज्ञान केन्द्र एवं मैदानी कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा निगरानी रखी जा रही है। उप संचालक कृषि श्री उमेश कुमार कटहरे ने बताया कि राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली- एनपीएसएस कृषि और किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य भारत में कीट निगरानी और प्रबंधन में बदलाव लाना है। एनपीएसएस फसलों को

कीटों के हमलों से बचाने व आर्थिक नुकसान को कम करने में महत्वपूर्ण है। मोबाइल एप के लिए राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली- एनपीएसएस उपयोगकर्ता मेनुअल एनपीएसएस मोबाइल एप ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों तरह से काम कर सकता है, ताकि फील्ड स्टाफ और किसानों द्वारा खेतों में काम किया जा सके। इससे किसानों को कीट रोग के प्रबंधन हेतु समय पर विशेषज्ञ सलाह प्राप्त करने में मदद मिलती है। प्रशिक्षण के दौरान सह वनस्पति संरक्षण अधिकारी अवेन्द्र कुमार यादव, सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी हेमन्त कुमार आर्य, प्रभारी अनु. कृषि अधिकारी नरसिंहपुर श्रीमति शिल्पी नेमा, नोडल अधिकारी श्रीमती सुनीता मवासे, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती उषा पचैरी व कृषि विस्तार अधिकारी और प्रगतिशील कृषक मौजूद थे।

छात्राओं को कराया गया टोन घाट का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उत्कृष्ट विद्यालय के कन्या छात्रावास की छात्राओं का ऐतिहासिक व प्राकृतिक महत्व को नजदीक से देखने व समझने हेतु जिले के बरहटा व टोन घाट का भ्रमण सम्पन्न हुआ। रास्ते मे पडने वाले ग्राम में स्वक्षता का संदेश देते हुए

शेड नदी के प्रवाह ने पत्थरो पर बनाई प्राकृतिक आकृतियों के पीछे के सिद्धांत को समझा साथ ही रास्ते मे पडने वाले पेड़, पौधों के उपयोग को समझा व पक्षियों के आवास को देखा। आलोक संघ द्वारा सम्पूर्ण यात्रा में सर्वोत्कृष्ट भूमिका निभाने व अच्छा प्रदर्शन करने वाली 3 छात्राओं को सम्मानित करने की घोषणा की गई। इस अवसर पर 62 छात्राओं के अलावा विद्यालय प्राचार्य जीएस पटैल, स्टाफ से रोहित पटेल, रूपेश भालसे, दीपशिखा गुप्ता, छात्रावास अधीक्षक श्रीमति दिव्यश्री साहू सहित अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता में प्रियंका जिला में प्रथम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। संविधान दिवस के अवसर पर विद्यालय, कॉलेज व अनेक विभागों द्वारा अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी के अंतर्गत जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका के कुशल निर्देशन में मध्यप्रदेश पुलिस जिला नरसिंहपुर द्वारा मेरा देश मेरा गर्व एवं कर्म ही पूजा है विषय पर स्कूली छात्र-छात्राओं के लिये चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन पुलिस लाइन में संपन्न हुआ। जिसमें सी.एम.राइज विद्यालय नरसिंहपुर की छात्रा कुमारी प्रियंका मेहरा ने जिला में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुये 1500 रूपये का नगद पुरूष्कार एवं प्रशस्ति पत्र जिला पुलिस अधीक्षक के हस्ते प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। छात्रा की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्राचार्य प्रभात कुमार मिश्रा सहित समस्त शिक्षकों ने शुभकामनाओं के साथ आशीर्वाद दिया।

बाइक स्टैंड की जरूरत

तेंदूखेड़ा। शनिवार के दिन लगने वाले साप्ताहिक बाजार में बाहर ग्रामीण क्षेत्रों से सामग्री खरीददारी करने आने वाले ग्राहक वर्ग जो कि अपने निजी साधनों बाइकों से आना जाना किया करते हैं। लेकिन बाजार में बाइक खड़ी करना उनके सामने एक समस्या बनी हुई है। अचानक बाइकें गुम हो जाने के कारण बाहरी लोग अब बाजार के दिन लाने से कतराने लगे हैं। आवश्यक है कि तेंदूखेड़ा में किसी एक स्थान पर जगह आरक्षित कर बाइक स्टेंड का रुप दिया जा सकता है ।बाइक मालिकों का कहना है कि भले ही थोड़ा बहुत शुल्क लग जाये लेकिन उनके मन में भय नहीं रहेगा एक निश्चिंतता का भाव मन में बन जायेगा।बाइक स्टेंड बनने से जहां राजस्व की आय भी बढ़ेगी वहीं कुछ लोगों को एक रोजगार भी मिल जायेगा। बाहर से आने वाले ग्रामीणों को अभी अपनी अपनी बाइकें जहां तहां खड़ी करके जाना पड़ता है। अज्ञात चोर मौका पाकर गाड़ी उठाकर ले जाते हैं। बाजार करके लौट कर वापस आने वाले बाहन खड़ा मिलने की स्थिति में हाथ मलते रह जातें हैं।इस व्यवस्था को स्थानीय प्रशासन को तत्काल प्रभाव से लागू करने की महती आवश्यकता है।

बंद पड़ी नगर की तीसरी आंख

दिखावा सिद्ध हो रहे सीसीटीवी कैमरे

तेंदूखेड़ा। नगर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लाखों रुपए खर्च करके लगवाये गये सीसीटीवी कैमरे तीसरी आंख केबल दिखावा ही सिद्ध हो रहें हैं। काफी लंबे समय से कैमरे बंद पड़े हुए हैं।जब जब कोई घटनाएं घटित हुआ करती है तब तब इन कैमरों की पूंछ परख होती है लेकिन उनमें भी सही फुटेज ना दिखने के कारण उक्त कैमरे केवल दिखावा ही सिद्ध हुये है। चूंकि काफी लंबे समय से उक्त कैमरे बंद पड़े हुए हैं।इस दिशा में पुलिस थाने में होने वाली शांति समीतियों की बैठकों में जब जब इन कैमरों का जिक्र आता है केवल शीघ्र ठीक करवाने का ही आश्वासन दिया जाता है लेकिन बात फिर जहां की तहां आ जाती है। इन दिनों तेंदूखेड़ा के साप्ताहिक बाजार के दिन दिन दहाड़े बाइकें चोरी हो जाना उठाई गीरों द्वारा राशि छीन कर ले जाने जैसी घटनाएं दिन प्रतिदिन अपने पैर पसारती चली जा रही है। रोकथाम की दृष्टि और आरोपियों को हुलिया के आधार पर पकड़े जाने की दिशा में इन फुटेजों की आवश्यकता पड़ती है लेकिन बंद पढ़े कैमरों पर धूल ही चढती जा रही है और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों द्वारा इन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। घटित गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए इनका मेंटेनेंस कराया जा सकता है लेकिन इस दिशा में भी कोई ध्यान नहीं दिया जाना सोचनीय विषय बना हुआ है। सर्दियों के समय हमेशा से तेंदूखेड़ा क्षेत्र में चोरियों की घटनाएं बढ़ जाती है।लोग कड़ाके की सर्दी में रजाइयों में दुबके हुए सोते रहते हैं और चोर माल साफ कर जाते हैं। ऐसे समय में उक्त कैमरों से अजनबी व्यक्तियों की हरकतों को सीसीटीवी कैमरों की मदद ही कारगार साबित हो सकती है लेकिन बंद कैमरे केवल शोभा की सुपारी ही बनें हुए नजर आ रहे हैं।सुरक्षा की दृष्टि से लोगों ने तत्काल प्रभाव से सीसीटीवी कैमरे चालू रखने की मांग की है।

पुलिया क्षतिग्रस्त, नहीं पहुंचता नहर में पानी

गोटेगांव। रानी अबंती बाई सागर परियोजना की नहरों का जाल गोटेगांव तहसील के अनेक गांवों में फैला हुआ है इस जाल के तहल नौनी गांव से करेली कला गांव के बीच में भी किसानों को खेतों को सिंचित करने के लिए दो जगह पर पुलिया और नहर का निर्माण अवश्य मौजूद है। मगर किसानों ने बताया कि अभी तक इन नहरों में सिंचाई का पानी नहीं आया है जिसके कारण सड़क मार्ग पर निर्मित पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुकी है वही पुलिया का अंदर का हिस्सा पूरी तरह से चोक हो गया है। किसानों के मुताबिक यह नहरें अनुपयोगी बन गई है।यहां के किसान खेत से पानी नहीं मिलने के कारण अपने खेतों की फसल की सिंचाई कृत्रिम साधनों से करने के लिए मजबूर हो रहे है। जिस मकसद से नहरों का निर्माण लाखों रुपए खर्च करके किया गया है वह उपयोगिता नहर निर्माण के बाद पूरी नहीं हो रही है। एक पुलिया के दूसरे हिस्से में पानी नहीं आने पर किसान ने नहर को ही समतल कर दिया है।इस हिस्से की नहर की गायब हो गई है जबकि दूसरे हिस्से की नहर में कचरा फैला हुआ है। इस नहर के थोडे आगे मौजूद बडी नहर की भी हालत ऐसी ही है। यहां के किसानों को नहर की सुविधा का लाभ अर्जित नहीं हो रहा है इस दिशा में अधिकारी भी कोई पहल नहीं कर रहे है कि किसानों को नहर के जरीए पानी किस कारण से नहीं पहुंच रहा है।

पंचायतों द्वारा दर्पण ऐप पर धुंधले बिल अपलोड करने की मची होड़

गोटेगांव। जनपद पंचायत के अंतर्गत अनेक ग्राम पंचायतों में इस समय दर्पण ऐप पर धुंधले बिल अपलोड करने की होड़ मची है,यह ऐप जनता के सामने ग्राम पंचायत के कार्यों की पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से लाया गया था। इस ऐप के माध्यम से हर नागरिक को पंचायत के कार्यों, खर्चों और परियोजनाओं की जानकारी मिलनी चाहिए थी। लेकिन गोटेगांव जनपद पंचायत से यह रिपोर्ट सामने आ रही है कि पंचायत अधिकारी जानबूझकर धुंधले और अस्पष्ट बिल एवं दस्तावेज़ ऐप पर अपलोड कर रहे हैं, जिससे किसी भी काम के खर्च और कार्यप्रणाली की जानकारी लेना लगभग असंभव हो जाता है,ऐप में डाले गए धुंधले दस्तावेजों के कारण आम जनता यह नहीं जान पा रही है कि पंचायत द्वारा कितनी राशि और किस कार्य में खर्च की जा रही है। पंचायत के कार्यों में इस तरह की धुंधली जानकारी से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है, और इससे पंचायत में चल रही गड़बड़ियों पर परदा डाला जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए पहले से ही डिजिटल साधनों की समझ सीमित होती है, ऐसे में धुंधले बिल अपलोड करना एक गंभीर मुद्दा बन गया है,पंचायत दर्पण ऐप की इस तरह की खराब कार्यप्रणाली से सरकार की पारदर्शिता बढ़ाने की मंशा पर भी सवाल उठने लगे हैं। अधिकारियों द्वारा जानबूझकर जनता की जानकारी के अधिकार को कमजोर करना एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है, जिससे न केवल ग्रामीण विकास में अवरोध उत्पन्न हो रहा है बल्कि भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा मिल रहा है,

क्या कहना है ग्रामीणों का

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत दर्पण ऐप पर स्पष्ट और पढ़ने योग्य दस्तावेज़ होने चाहिए ताकि उन्हें समझने में आसानी हो और पंचायत के कार्यों पर सवाल पूछ सकें। ऐप में अपलोड किए गए धुंधले दस्तावेज़ के कारण उनका अपने ही पैसे के सही इस्तेमाल पर विश्वास कम हो रहा है,

सरकार और प्रशासन से मांग:

ग्रामवासियों ने सरकार और उच्च अधिकारियों से यह अपील की है कि इस समस्या को जल्द सुलझाया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि पंचायत दर्पण ऐप के उद्देश्य को पूरा किया जा सके और सभी जानकारी पारदर्शी और पढ़ने योग्य हो।